

डॉ. इलेन फिलिप्स, ओल्ड टेस्टामेंट लिटरेचर, व्याख्यान 19, शाऊल से डेविड तक

© 2024 एलेन फिलिप्स और टेड हिल्लेब्रांट

खैर, सुप्रभात। ऐसा लगता है कि अब शुरू करने का समय आ गया है। आज शुरुआत के लिए हमें क्या कहना चाहिए? बोकर टोव के बारे में क्या ख्याल है? हम काफी समय से वहां नहीं गए हैं।

बोकर टोव। बोकर ऑर, हाँ। हमेशा की तरह कुछ घोषणाएँ।

आप उन्हें खुद पढ़ सकते हैं। नीतिवचन पेपर पर कुछ सवाल पूछे गए हैं। असाइनमेंट ब्लैकबोर्ड पर पोस्ट किया गया है।

यदि आपको वहां देखने का मौका नहीं मिला है, तो यह लगभग डेढ़ पेज की सामग्री है जो आपको नीतिवचन पेपर पर काम शुरू करने में मदद करेगी, यदि आप इसे थोड़ा पहले देखना चाहते हैं और इस पर कुछ, कम से कम, प्रारंभिक कार्य करना चाहते हैं, जैसे कि वह कहावत चुनना जिस पर आप अपना पेपर लिखना चाहते हैं। इसके अलावा, मुझे नहीं लगता कि मुझे और कुछ कहने की ज़रूरत है। क्या कोई जानता है कि यह भजन कहाँ से आया है? मुझे एहसास है कि यह किसी ऐसी चीज़ का दर्दनाक शाब्दिक अनुवाद है जिससे आप शायद परिचित हों क्योंकि मुझे अंग्रेजी में इसके कम से कम दो संस्करण पता हैं।

प्रभु जीवित है, और मेरी चट्टान धन्य है। मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर की महिमा हो। ठीक है, आप उसे जानते हैं? ठीक है, यह भजन 18 है।

मैं आपके लिए यहाँ कुछ श्लोक पढ़ता हूँ। यह श्लोक 46 है, जिसे हम थोड़ी देर में गाने वाले हैं। जहाँ तक परमेश्वर का सवाल है, उसका मार्ग सिद्ध है।

यह श्लोक 30 है। प्रभु का वचन निर्दोष है। वह उन सब के लिए ढाल है जो उसकी शरण लेते हैं।

मैं सीधे श्लोक 35 पर जा रहा हूँ। तू मुझे अपनी विजय की ढाल देता है। तेरा दाहिना हाथ मुझे संभालता है।

मुझे यह अगला वाला इसलिए पसंद है क्योंकि यह यीशु की एक झलक है। तुम मुझे महान बनाने के लिए झुकते हो। ठीक है, तुम मुझे महान बनाने के लिए झुकते हो।

और फिर, अंत में, हम श्लोक 46 पर आएँगे। प्रभु जीवित है। मेरी चट्टान की स्तुति हो।

मेरे उद्धारकर्ता परमेश्वर की जय हो। हम इस पर बात करने के बाद थोड़ी देर में इसका हिब्रू गाना गाएँगे। चाई अडोनाई, यह उन चीज़ों में से एक है जिसमें आपको एक च लगाना पड़ता है, आप जानते हैं, चाई अडोनाई, है न? चाई अडोनाई उवरुच त्सुरी .

क्या आप यह कहना चाहते हैं? आइए हम सब मिलकर प्रयास करें। tzuri। हाँ, और tzuri, मेरी चट्टान, है ना? चाई अडोनाई उवारुच त्सुरी।

यह बहुत अच्छा लगता है। एलोही येशुअती ... यह कठिन नहीं है।

इसमें सभी प्रकार की कण्ठस्थ ध्वनियाँ नहीं हैं। एलोही येशुअती। अब, क्योंकि डॉ. हिल्डेब्रांड यहाँ हैं, मुझे आपके साथ पूरी तरह ईमानदार होना होगा। भजन में अंतिम शब्द येशुअती है। या माफ़ करें, यह वह भी नहीं है। यह येशी, येशी है।

संक्षिप्त रूप, है न? मोक्ष के दो रूप हैं, हाँ, और मेरा मोक्ष। इस विशेष गीत को संगीत के साथ फिट करने के लिए, यह यशुति है। लेकिन यह ठीक है।

आप मुझे इस पर पकड़ लेते, है न? हाँ, आज। और, बेशक, डेविड, भजन, वे सभी चीजें। लेकिन ऐसा करने से पहले, आइए हम साथ मिलकर प्रार्थना करने के लिए कुछ समय निकालें।

हे हमारे पिता, हम प्रार्थना करते हैं कि आपका नाम ऊंचा हो। हमारे बीच में ऊंचा हो। हमारे दिलों में ऊंचा हो।

पिता, हम आपके आभारी हैं कि आप हमारे परमेश्वर हैं। और यीशु ने जो किया है, हमें महान बनाने के लिए नीचे झुके हैं, उसके कारण हम वास्तव में मसीह के माध्यम से उद्धार के जबरदस्त आशीर्वाद और लाभ का आनंद लेते हैं। प्रभु, जैसा कि हम इसके लिए आपको धन्यवाद देते हैं, हम आपको उन कई अन्य आशीर्वादों के लिए भी धन्यवाद देते हैं जो आपने अभी-अभी हमें दिए हैं।

हम यहाँ होने के लिए आभारी हैं। हम दोस्तों और संगति और ईसाई समुदाय के लिए आभारी हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि हम इस समुदाय के अच्छे सदस्य बनें, उन लोगों की मदद करें, जो किसी भी कारण से संघर्ष कर रहे हैं।

हम प्रार्थना करते हैं कि आपकी दया और कृपा उन पर बरसती रहे। हम प्रार्थना करेंगे कि हम आज वे सबक सीखें जो आप चाहते हैं कि हम सीखें। और हमेशा की तरह, हम प्रार्थना करेंगे कि आप हमारे दिलों में अपने वचन को गहराई से रोपकर हमें आपके सेवक बनने के लिए तैयार होने में मदद करें।

हम मसीह के नाम पर धन्यवाद के साथ ये बातें माँगते हैं। आमीन। खैर, हमें थोड़ा सा पुनरावलोकन करना होगा क्योंकि हम दाऊद के उत्थान और शाऊल के पतन की ओर आगे बढ़ते हैं।

लेकिन ऐसा करने से पहले, हमें कुछ और कलाकृति पर काम करना है। जाहिर है, हमारे पास यहाँ एक तस्वीर है जो किसको दर्शाती है? डेविड। अब, डेविड कौन है? हाँ, यह वीणा के साथ हाथ है।

ध्यान दें कि शाऊल की तुलना में यह चित्रण कितना छोटा है। ध्यान दें कि वह जो प्रमुख चीज़ पकड़े हुए है। यह भाला है, है न? और निश्चित रूप से, हमें आज के लिए आपके द्वारा पढ़ी गई चीज़ों के बारे में सचेत रहना चाहिए।

जब दुष्ट आत्मा शाऊल पर आती है, तो दाऊद शाऊल की आत्मा को शांत करने के लिए वीणा बजाता है। और फिर भी शाऊल, उस दुष्ट आत्मा से इतना परेशान हो जाता है कि एक से अधिक अवसरों पर, वह दाऊद को मारने की कोशिश करने के लिए उसे फेंकता है और फेंकता है। तो, यहाँ दो व्यक्तियों के बीच एक बहुत ही दिलचस्प विरोधाभास है, दाऊद पर प्रभु की आत्मा, शाऊल से प्रभु की आत्मा हटा दी गई।

हम इस बारे में थोड़ी देर में बात करेंगे। ये सिर्फ़ कुछ बातें हैं जो हमें याद दिलाती हैं कि पिछली बार हम क्या कर रहे थे। यह एक और अच्छी कलाकृति है जो आज सुबह हमें थोड़ा उत्साहित करेगी। लेकिन हमने कहा, जैसा कि हम शाऊल के जीवन के बारे में बात कर रहे थे, कि शास्त्र में उसके राजत्व को छीने जाने के दो कारण बताए गए हैं, सबसे पहले, गिलगाल में उसका दुस्साहसिक बलिदान।

उसे शमूएल के आने तक सात दिन तक इंतज़ार करना था। उसने बहुत ज़्यादा इंतज़ार नहीं किया। उसने सात दिन इंतज़ार किया और फिर बलि चढ़ा दी।

बेशक, वह कोई पुजारी नहीं है या लेवी की वंशावली में भी नहीं है, और उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा किया। और फिर दूसरी बात, परमेश्वर ने आज्ञा दी थी कि वह अमालेकियों को पूरी तरह से खत्म करके उनसे निपटे। और बेशक, उसने वे सभी बेहतरीन बलिदान छोड़ दिए, जो उसने कहा था कि वे होने वाले थे, लेकिन वे मूल रूप से जानवर और इसी तरह की चीज़ें थीं, और राजा को भी जीवित छोड़ दिया।

इन कारणों से, शाऊल से राजपद छीन लिया गया। हम इस बारे में कुछ सवाल पूछने जा रहे हैं। ठीक है? पहला सवाल, आपने दाऊद की कहानी पढ़ी है, और अगर आपने आज इसे नहीं पढ़ा है, तो भी आप शायद दाऊद ने जो कुछ किया, उसके बारे में बहुत कुछ जानते होंगे।

शाऊल के पाप इतने ज़्यादा बुरे क्यों हैं? शाऊल के पाप दाऊद के पापों से ज़्यादा बुरे कैसे हैं? आज हम उन पर ज़्यादा चर्चा नहीं करेंगे। शुक्रवार को हम उन पर चर्चा करेंगे, लेकिन दाऊद की कहानी काफ़ी मशहूर है। यह कोई आलंकारिक प्रश्न नहीं है।

मैं जानना चाहता हूँ कि आप क्या सोचते हैं। शाऊल के पाप इतने ज़्यादा बुरे कैसे हैं? ठीक है, वह बलिदान चढ़ाने के लिए बहुत देर तक इंतज़ार नहीं करता। वह हर चीज़ और हर किसी को नहीं मारता।

डेविड ने क्या किया? क्या संडे स्कूल से कोई जानता है? सारा? डेविड ने इतना अच्छा बनने के लिए क्या किया? किसी तरह, कुछ ऐसा जो उन पवित्र प्रसादों से जुड़ा है, हाँ। ठीक है, अच्छा। ठीक है, तो व्यभिचार और हत्या का दोषी।

बाथशेबा के साथ व्यभिचार का दोषी, उसके पति उरीया को मार डाला। क्रिस्टन, दिल का मामला क्या है? मैं स्पष्ट रूप से इसके बारे में नहीं बता सकता, लेकिन ऐसा लगता है कि शाऊल का इरादा पूरी तरह से खत्म होने का था, जैसा कि डेविड ने मानवता के सामने स्वीकार किया था। और मुझे याद है कि व्यभिचार करने के बाद, वह इसके बारे में बहुत विनम्र था।

वह ऐसा था, ठीक है, मैंने कुछ नहीं किया। और शाऊल ऐसा था, नहीं, वास्तव में, मुझे मरने की ज़रूरत नहीं है। ठीक है, तो आप कह रहे हैं कि उनकी विनम्रता और परमेश्वर के सामने उनके रुख के मामले में अंतर है, और वे स्वीकार करने और इस तरह की अन्य बातों के लिए तैयार हैं।

हाँ, मुझे लगता है कि हम अंततः उसी दिशा में जा रहे हैं, लेकिन मैं इसे थोड़ा आगे बढ़ा दूँगा। डेविड, और फिर से, हम इसे शुक्रवार को देखेंगे, तब तक कबूल नहीं करता जब तक सैमुअल वास्तव में, माफ़ कीजिए, नाथन वास्तव में आकर उसे यह नहीं बताता कि उसने क्या गलत किया है। अन्यथा, वह इसे छिपाने के व्यवसाय में है।

तो, इसके लिए भविष्यवक्ताओं को आकर यह कहना पड़ता है कि, यह एक दृष्टांत है, इस दृष्टांत में आप ही हैं। फिर से, हम इसे शुक्रवार को देखेंगे। लेकिन मुझे लगता है कि आप यह संकेत देने में सही हैं कि यह एक कठिन मुद्दा होना चाहिए।

आखिरकार, परमेश्वर स्वयं कहता है कि वह परमेश्वर के हृदय के अनुसार एक व्यक्ति की तलाश कर रहा है, और दाऊद वास्तव में परमेश्वर के हृदय के अनुसार एक व्यक्ति है। और मुझे लगता है कि हम देखेंगे कि इसका सब कुछ उसकी विनम्रता और यह पहचानने की उसकी क्षमता से जुड़ा है कि वह पूरी तरह से गलत है, जब वह उस बिंदु पर आता है। जबकि शाऊल थोड़ा बहुत छिपाता है, और शाऊल, जैसा कि हमने पिछली बार कहा था, अपने सम्मान में स्मारक बनाने और यह सुनिश्चित करने में काफी व्यस्त है कि लोकप्रिय दृष्टिकोण में उसके सम्मान का समर्थन किया जाए और इसी तरह।

तो, मुझे लगता है कि ऐसी कुछ बातें हैं। ट्रेवर। मुझे लगता है कि, साउल के मामले में; उसे उसके कार्यों के लिए बहुत जल्दी न्याय मिल गया।

बहुत बढ़िया बात है। दूसरे शब्दों में, संक्षेप में कहें तो, शायद यहाँ कुछ सवाल उठाने की ज़रूरत है क्योंकि शाऊल को बहुत जल्दी न्याय मिल जाता है, और फिर भी दाऊद के पास समय है जो परमेश्वर उसे पश्चाताप करने के लिए देता है, और परमेश्वर उसे नबी नाथन और इसी तरह के अन्य लोगों को भेजता है ताकि उसे उस बिंदु तक लाया जा सके जहाँ वह पश्चाताप करेगा। तो आप कुछ ऐसी चीज़ें देख रहे हैं जो अभी भी आपको इस बारे में थोड़ा असहज बनाती हैं।

ठीक है, चेल्सी। ठीक है, आप ईश्वर की आत्मा की उपस्थिति का मुद्दा उठा रहे हैं। एक ओर, यह डेविड के साथ एक स्थायी उपस्थिति प्रतीत होती है, शायद।

दूसरी ओर, यह शाऊल पर आता है। परमेश्वर भी बहुत सीधे तौर पर इसे दूर कर देता है। हम प्रभु की आत्मा के उस मुद्दे को थोड़े समय में संबोधित करने जा रहे हैं।

तो यह तो आने वाला है, लेकिन आपकी बात अच्छी तरह समझी गई। और कुछ? एक बात, आगे बढ़िए। मुझे खेद है, सुजाना।

इसलिए जब आप कथाएँ पढ़ रहे हैं, तो आप देख रहे हैं कि ईश्वर और दाऊद या दाऊद और ईश्वर के बीच एक निरंतर, बहुत ही व्यक्तिगत संबंध है। जबकि आप इसे इतनी स्पष्टता से नहीं देख सकते हैं, कम से कम उन चीज़ों में जिन्हें हम देखने की अनुमति देते हैं जैसे कि हम शाऊल के हृदय को देखते हैं। यह विचार कि शाऊल का हृदय बदल गया था और लोग शाऊल को भविष्यवाणी करते हुए देखकर बहुत हैरान हो गए थे, आप जानते हैं, भविष्यवक्ताओं के बीच शाऊल, इत्यादि, ऐसा लगता है कि शाऊल के लिए आत्मा की ये अभिव्यक्तियाँ, मैं यह कहने की हिम्मत करता हूँ, अस्थायी हैं और जरूरी नहीं कि वे एक स्थायी आत्मा के निवास का प्रमाण हों।

अब, आप जानते हैं, मैं यहाँ परमेश्वर बनने और शाऊल का न्याय करने के लिए नहीं आया हूँ। हम ऐसा नहीं कर रहे हैं। हालाँकि, सिर्फ़ पाठ पढ़ने से, मुझे लगता है कि हम यह सुझाव दे सकते हैं कि ऐसा हो सकता है।

खैर, मैं इस बारे में बाद में और भी कुछ कहूँगा। कुछ और सवाल। एक बार जब राज्य शाऊल से छीन लिया गया, तो परमेश्वर शाऊल को इतने लंबे समय तक राजा क्यों रहने दे रहा है और उसे इतनी यातनाएँ क्यों सहनी पड़ रही हैं? क्योंकि वह ऐसा करता है।

मेरा मतलब है, यहाँ एक वास्तविक व्यामोह चल रहा है, और यह कुछ ऐसा है जो शाऊल को परेशान कर रहा है, और आप इसे बता सकते हैं। मुझे संदेह है कि अगर मनोवैज्ञानिकों ने उसे पकड़ लिया, तो उनके पास सुझाने के लिए वास्तव में कुछ दिलचस्प निदान होंगे। और वैसे, कुछ मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने शाऊल पर कुछ दिलचस्प काम किया है।

लेकिन क्यों? क्यों सालों तक दाऊद का पीछा किया, हर जगह उसका पीछा किया, उसे मारने की कोशिश की, और फिर भी राज्य पर कब्ज़ा किया, जबकि वह जानता था, क्योंकि वह जोनाथन से कहने जा रहा था, जब तक तुम, जोनाथन, दाऊद के दोस्त हो, तुम्हें यह समझना होगा कि तुम कभी राजा नहीं बनोगे और मेरा वंश आगे नहीं बढ़ेगा। तुम क्यों सोचती हो कि भगवान उसे इतने लंबे समय तक वहाँ छोड़ देते हैं? आगे बढ़ो, रेबेका। ठीक है, तो इसका शाऊल से कम और दाऊद की तैयारी से ज़्यादा लेना-देना है, जो, जैसा कि हम जानते हैं, जब वह पहली बार दृश्य में आता है, तो बहुत छोटा होता है।

अच्छा। हाँ, जिंजर। तो, यह व्यापक जनता के लिए एक सबक है, जिन्हें अभी भी यह सीखने की ज़रूरत है कि राजा हर समस्या का समाधान नहीं हैं।

क्या शाऊल को ज़्यादा समय देना वास्तव में उसके प्रति दया है? क्या यह भी हो सकता है? ये सब ठीक है, लेकिन क्या हम इसे भी जोड़ सकते हैं और सुझाव दे सकते हैं कि शायद शाऊल, एमोरियों की तरह, हमारे एमोरियों को याद करता है जो 400 साल से इस देश में हैं और परमेश्वर ने इस पूरे समय के लिए उन्हें नष्ट करने के लिए इस्राएल का उपयोग नहीं किया? उन्हें अतिरिक्त समय मिला है। बेशक, त्रासदी यह है कि वे, और इस मामले में शाऊल, इसका लाभ नहीं उठाते

हैं। मेरा सुझाव है कि शाऊल अंत तक अपने दिल को कठोर बनाए रखता है, जहाँ वह दुखद रूप से गिलबोआ पर्वत पर अपनी जान ले लेता है।

खैर, किसी भी तरह से, फिर से, मेरे पास इन बातों के सभी उत्तर नहीं हैं। हम प्रभु की आत्मा और दुष्ट आत्मा को कैसे समझते हैं? मैं थोड़ी देर में उस पर वापस आऊँगा। हमने उनमें से कुछ को पहले ही उठाया है, लेकिन मैं बस यह सुझाव देना चाहता हूँ कि जैसा कि हम इन सभी चर्चाओं में लगे हुए हैं, मुझे लगता है कि हमें अंततः इस बात पर वापस आना चाहिए कि हम परमेश्वर द्वारा किए जाने वाले हर कार्य के हर पहलू को परिभाषित करने की स्थिति में नहीं हैं।

जैसा कि वाल्टर ब्रूगेमैन कहते हैं, ईश्वर अदम्य है। और कभी-कभी ऐसी कुछ परिस्थितियों में, हमें इसका एहसास होता है। तो फिर क्यों ईश्वर ने शाऊल को राजा के रूप में चुना और ऐसी व्यक्तिगत और राष्ट्रीय आपदा की अनुमति दी? फिर से, यह सिर्फ सोचने वाली बात है।

मैं अभी इस पर ज्यादा समय नहीं लगाऊँगा। लेकिन जब आप इसे व्यक्तिगत दृष्टिकोण से देखते हैं, तो ये वाकई बहुत मुश्किल चीजें हैं, जिनसे जूझना पड़ता है। और, बेशक, इसी तरह के सवाल हमारे क्षेत्र में भी आ सकते हैं।

भगवान इनमें से कुछ काम क्यों करते हैं? वह उन्हें क्यों अनुमति देते हैं? अभी हमारे पास केवल आंशिक उत्तर हैं, एक पर्दे के पीछे से। बेशक, यहीं पर हमें अपने दिल और दिमाग में भगवान और उनकी परम संप्रभुता और भलाई पर भरोसा, विश्वास और भरोसा पैदा करने की ज़रूरत है। खैर, चलिए आगे बढ़ते हैं।

आज हमारे पास करने के लिए बहुत सी चीजें हैं। बेशक, कुछ चीजें ऐसी हैं जो आप जानना चाहेंगे। जैसा कि हम जानते हैं, डेविड यहूदा का गोत्र है।

यहूदा का गोत्र, उत्पत्ति 49, श्लोक 10, वह गोत्र रहा है जो परमेश्वर की दृष्टि में राजा बनने के लिए था। इसलिए यह महत्वपूर्ण होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि हम खुद को याद दिलाएँ कि रूत भी इसी वंश में है।

रूत, मोआबी महिला। यह महत्वपूर्ण होगा क्योंकि एक समय आने वाला है, जो आपने आज के लिए पढ़ा है, जहाँ दाऊद शाऊल से भागते हुए इतने तनाव में है कि वह वास्तव में अपने पिता और माँ को लेकर कुछ समय के लिए सुरक्षा के लिए मोआब चला जाता है। और वह उसे अपने गृह क्षेत्र में ले जा रहा है, ठीक है? यही एक कारण है कि ऐसा क्यों है।

शमूएल ने उसका अभिषेक किया है, और यह बहुत ही दिलचस्प संदर्भ में हो रहा है। अगर आपके पास बाइबल है, तो मैं वास्तव में शमूएल 16 पर वापस जा रहा हूँ, ताकि यहाँ होने वाली दिलचस्प बातों पर एक नज़र डाल सकूँ। प्रभु शमूएल को बेथलेहम भेजता है।

क्या शमूएल पूरी तरह से प्रभु के आदेश पर आगे आता है कि उसे क्या करना है? इसका उत्तर है नहीं। क्योंकि शमूएल कहता है, हे भगवान, अगर शाऊल को पता चल गया कि यह बहुत

भयानक होने वाला है, तो वह मुझे मार डालेगा। और इसलिए प्रभु कहते हैं, तुम बस जाओ और कहो कि तुम एक बलिदान देने जा रहे हो, एक बलिदान करने जा रहे हो।

बेशक, यह पूरी सच्चाई नहीं है, लेकिन यह सैमुअल की जान बचाने के लिए सच है क्योंकि वह वहाँ जा रहा है। आपने पूरी बात तय कर ली है। जैसी अपने पहले तीन बेटों को सैमुअल के सामने लाता है।

शमूएल, प्रभु के निर्देश पर कहता है, नहीं, यह सही नहीं है। यह सही नहीं है। यह सही नहीं है।

अंत में, दाऊद, जो चरवाहे के रूप में बाहर गया था, को लाया जाता है। यहाँ पर हमें एक और उदाहरण मिलता है जिसमें परमेश्वर बहुत स्पष्ट रूप से अपने व्यक्ति के चयन को इंगित करता है क्योंकि वह सबसे छोटा है।

इस संदर्भ में दाऊद सबसे छोटा है। ध्यान दें कि अध्याय 16, श्लोक 13 में, जब दाऊद का अभिषेक किया गया, तो कहा गया है, शमूएल ने तेल का सींग लिया, और उसके भाइयों की उपस्थिति में उसका अभिषेक किया। उस दिन से, प्रभु की आत्मा शक्ति के साथ दाऊद पर उतरी।

यह वही अभिव्यक्ति है जिसका इस्तेमाल कुछ न्यायाधीशों के साथ किया गया था। आप जानते हैं, जब परमेश्वर के पास उस न्यायाधीश के लिए वास्तव में कुछ विशिष्ट कार्य होता है, तो प्रभु की आत्मा शक्ति के साथ उस पर आती है, उसे कपड़े पहनाती है, और फिर वह ऐसा करने में सक्षम होती है। उसी समय, अगले ही श्लोक में, और इसीलिए यह इतनी महत्वपूर्ण बात है, श्लोक 14, प्रभु की आत्मा शाऊल से दूर हो गई थी और प्रभु से एक दुष्ट आत्मा, मुझे पता है कि आपके एनआईवी में कहा गया है कि उसे पीड़ा हुई, वास्तव में उस पर गिर गई, उसे भयभीत कर दिया, उसे चौंका दिया।

ये सही शब्द हैं। कुछ ऐसा जो आप बस, अगर आप अपनी कल्पना का उपयोग करें, तो मैं सुझाव दूंगा कि यह वास्तव में एक दुष्ट आत्मा है जो उसे अंदर से परेशान करने के लिए भयानक चीजें कर रही है। और हम निश्चित रूप से ऐसा होते हुए देखते हैं क्योंकि हम देखते हैं कि शाऊल को अपनी आत्मा को शांत करने के लिए कुछ करने की आवश्यकता है।

खैर, इस संबंध में यहाँ सिर्फ कुछ विचार हैं, और जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले कहा, मेरे पास निश्चित रूप से सभी उत्तर नहीं हैं, लेकिन मेरे पास प्रभु की ओर से इस पूरी दुष्ट आत्मा के संदर्भ में कुछ सुझाव हैं। सबसे पहले, आत्मा के संदर्भ में, कैपिटल एस, यदि आप चाहें, तो भगवान की आत्मा, कुछ उद्देश्यों का सुझाव देते हुए, संकेत देती है कि शाऊल को चुना गया था। मैंने कुछ क्षण पहले ही यह कहा था।

जब शमूएल द्वारा उसका पहली बार अभिषेक किया जाता है, और अब हम पहले के अध्यायों में वापस जा रहे हैं, तो यह बहुत स्पष्ट है कि वह भविष्यवाणी कर रहा है, और यह संकेत है कि उसे चुना गया है। वह इस्राएल को जीत की ओर ले जाता है। बाद में, वही भावना संदर्भ में वापस

आएगी, अध्याय 19, आप इसे अपने आप पढ़ सकते हैं, वास्तव में दाऊद को शाऊल से बचाने के लिए।

इसलिए भले ही दुष्ट आत्मा शाऊल को परेशान कर रही हो, फिर भी वह उसे बचाने के लिए कुछ बिंदुओं पर भविष्यवाणी करवा रही है। और फिर मेरा सुझाव है, और मुझे एहसास है कि यह कुछ बहुत ही दिलचस्प धार्मिक क्षेत्र में आता है, लेकिन मुझे लगता है कि जब आप इन सभी विवरणों को एक साथ रखते हैं, और मैंने इसे यहाँ रखा है, और मैंने पहले ही कहा है, कि हमारे पास जो है वह आत्मा है जो विशेष रूप से, शक्तिशाली रूप से, और अस्थायी रूप से शाऊल में, या शायद शाऊल पर, कुछ उद्देश्यों को पूरा करने के लिए खुद को प्रकट करती है, और उनमें से कुछ चीजें वहाँ हैं। इसलिए मैं यह सुझाव नहीं देने जा रहा हूँ कि यह एक अंतर्निहित आत्मा है।

अगला बिंदु: यह त्रासदी है, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में पिछले प्रश्न के हमारे कुछ उत्तरों में शामिल है। शाऊल के पास वे दो उदाहरण हैं जहाँ हमने सीखा कि राजत्व उससे हटा दिया गया है, लेकिन शाऊल की कहानी के बारे में एक निरंतर अवज्ञा, एक निरंतर विद्रोह, एक निरंतर स्वार्थ है जैसा कि हम इसे पढ़ते हैं। और इसलिए, उस अंश में जो मैंने अभी पढ़ा, आत्मा को हटा दिया गया है।

भजन 51 में, जिसका हम लगभग दो सप्ताह में अध्ययन करने जा रहे हैं, और जिसे आपने हिब्रू में गाया है, मुझे एहसास हुआ, ठीक है? अपनी पवित्र आत्मा को मुझसे दूर मत करो। दाऊद ने देखा है कि शाऊल के साथ क्या हुआ था, और मैं सुझाव दूंगा कि जैसे ही वह भजन सामने आता है, और निश्चित रूप से, दाऊद स्वयं आत्मा की प्रेरणा के तहत लिख रहा है, लेकिन शाऊल के साथ जो हुआ उसे देखने के उस अनुभव के बारे में कुछ ऐसा भी हो सकता है जो उसके रोने, उसके अपने पापों में फंसने के बाद उसकी विनती के पीछे की प्रेरणा हो, क्योंकि भजन 51 बतशेबा और उरियाह और इसी तरह की स्थिति के बाद लिखा गया है। दाऊद अच्छी तरह से जानता है कि उसने आत्मा की उपस्थिति खो दी है, और भगवान इसे हटाने के मामले में ऐसा नहीं कर सकते, और इसलिए, वह प्रार्थना करता है कि भगवान आत्मा को न हटाएँ।

खैर, यहाँ बाकी है, मुझे कहना चाहिए, तस्वीर का दूसरा पहलू। हमने उपस्थिति में प्रभु की आत्मा के उद्देश्यों के बारे में बात की। हमें इस दुष्ट आत्मा के कुछ उल्लेख मिले हैं, और फिर से, इन पर सोचना और बात करना कठिन है, लेकिन जब आप इनमें से प्रत्येक अंश को पढ़ते हैं, तो आप देखते हैं कि अवज्ञा और विद्रोह की ओर उसकी निरंतर प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप शाऊल के साथ क्या हुआ, मैं सुझाव दूंगा कि यह शाऊल के खिलाफ परमेश्वर के न्याय का हिस्सा है।

फिर से, यह कहना मुश्किल है, और मेरे पास इसे एक साथ रखने के तरीके नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि यह जो हो रहा है उसका एक हिस्सा हो सकता है। ऐसा कहने के बाद, मुझे लगता है कि हमें अपनी सोच में उस जगह पर वापस आने की ज़रूरत है कि परमेश्वर इन सभी चीज़ों का उपयोग करता है, सभी चीज़ें अच्छे उद्देश्यों के रूप में काम करने के लिए, इस्राएल की ओर से अच्छे उद्देश्यों के रूप में काम करने के लिए, दाऊद को राजत्व में लाने के लिए। हम समय की विस्तारित अवधि के बारे में अधिक बात करने जा रहे हैं। दाऊद उस समय के दौरान खुद को

एक नेता के रूप में दिखाएगा और साथ ही वह ऐसा व्यक्ति भी होगा जो प्रभु के अभिषिक्त को कुछ भी छूने से पूरी तरह चिंतित है।

आज आपने जो पढ़ा है, उसमें दाऊद के पास शाऊल को मिटाने के कई मौके थे, और वह ऐसा करने से बचता है क्योंकि वह ऐसा व्यक्ति नहीं होगा जो प्रभु के अभिषिक्त को छूएगा। वह सिंहासन हड़पने का आरोप भी नहीं लगाना चाहता। मेरा मतलब है, एक बहुत ही व्यावहारिक दृष्टिकोण से, यह भी तस्वीर का एक हिस्सा है।

यह इसलिए है क्योंकि शाऊल को आत्मा ने सताया था, इसलिए हम वास्तव में दाऊद को शाऊल की उपस्थिति में लाते हैं, और इसलिए, फिर से, इस सब पर परमेश्वर की बहुत अच्छी दैवीय निगरानी में, यह उन चीजों में से एक है, बहुत व्यावहारिक रूप से, जो दाऊद को अदालत में ले जाती है, बेथलेहम में भेड़ चराने के बजाय, क्योंकि यहाँ उसे शुरू में ही अदालत की प्रक्रिया में लाया जाता है। खैर, हम जो करने जा रहे हैं वह यह है कि सबसे पहले हम दाऊद के जीवन को उसके साथ हुई अच्छी चीजों के संदर्भ में देखेंगे, और फिर हम उन चीजों को देखेंगे जो इतनी अच्छी नहीं हैं, लेकिन याद रखें कि उन दोनों का उपयोग किया जाता है, उन दोनों श्रेणियों की चीजों का उपयोग परमेश्वर अपनी संप्रभुता और अपने प्रावधान में करता है ताकि यह सब अच्छे के लिए एक साथ काम करे। जैसा कि हमने अभी कहा है, दाऊद को एक सुखदायक उपस्थिति होने के लिए बुलाया गया है।

संगीत चिकित्सा, अगर आप इसे इस तरह से सोचना चाहते हैं। आप में से कुछ लोग जो संगीत में माहिर हैं, वे संगीत चिकित्सा में जा सकते हैं। यह एक बड़ी बात है, और बहुत से लोग आपको इस तरह की चीजों के सभी लाभ बता सकते हैं।

इसलिए, वह शाऊल के दुख को दूर करने के लिए संगीत प्रदान करता है। अध्याय 17, बेशक, हमारा डेविड और गोलियत का प्रसंग है, और मुझे आपको वह कहानी बताने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन मुझे इसके बारे में कुछ बातें बतानी होंगी।

हम थोड़ी देर में नक्शा देखेंगे और देखेंगे कि यह कहाँ होता है, लेकिन बात यह है। जब डेविड युद्ध के लिए बाहर जाता है, तो वह वास्तव में अपने भाइयों के लिए भोजन की व्यवस्था करने और उनकी जाँच करने के लिए जाता है, और जब मैं थोड़ी देर में नक्शा देखूँगा, तो मैं आपको दिखाऊँगा कि यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है और क्यों उसके पिता उसे वहाँ भेजने के लिए चिंतित रहे होंगे, लेकिन मूल रूप से वह इसीलिए जा रहा है। हालाँकि, यहाँ उन कई सबकों में से एक सबक है जो हम इससे सीख सकते हैं।

पता चला कि वह अब तक जो भी काम कर रहा था, शेरों और भालुओं पर पत्थर फेंकना और भेड़ों की देखभाल करना, वह बिल्कुल वही तैयारी थी जिसकी उसे ज़रूरत थी, ठीक वैसे ही, भले ही वह शायद ऐसा न सोचता हो, और भले ही उसके भाई उसे नीची नज़र से देखते हों और कहते हों, तुम यहाँ क्या कर रहे हो? तुम्हें भेड़ों के साथ वापस जाना चाहिए था, लेकिन भगवान ने उसे तैयार कर दिया था। तो, आप जानते हैं, इसे अपने जीवन में स्थानांतरित करें। भगवान उन सभी

चीजों का उपयोग करेंगे जो आपके जीवन का हिस्सा हैं, भले ही उनमें से कुछ अभी आपको बहुत महत्वपूर्ण न लगें।

कई साल पहले, जब मैं एक अलग संस्थान में पढ़ाता था, तो संस्थान के अध्यक्ष ने एक दिन चैपल में भाषण दिया, और उस समय उनकी उम्र लगभग 50 वर्ष थी, और उन्होंने अपनी सभी नौकरियों के बारे में बताया, और वे लंबे समय तक काफी मामूली नौकरियां थीं, और कहा, आप जानते हैं, जब वह इन नौकरियों से गुज़र रहे थे, तो उन्होंने सोचा, इस समय भगवान क्या कर रहे हैं? मुझे समझ में नहीं आता कि मेरा जीवन ऐसा क्यों है। मुझे समझ में नहीं आता कि यह कहाँ जा रहा है। और फिर भी, पीछे मुड़कर देखने पर, जब उन्होंने पीछे देखा, तो वे महत्वपूर्ण मुद्दों और सबक और चीजों की ओर इशारा कर सकते थे, जिन्हें भगवान ने उनमें से प्रत्येक से इस्तेमाल किया था, क्योंकि वे इस समय उनके जीवन के ढांचे में शामिल थे।

तो, आप जानते हैं, दाऊद भेड़ों पर पत्थर फेंक रहा है। वह इस्राएलियों के सबसे बुरे दुश्मन गोलियत को मारने जा रहा है। दूसरी बात जो मैं आपको इस कहानी के बारे में बताना चाहता हूँ वह यह है कि दाऊद क्या कहता है, क्योंकि यह उसके चरित्र के बारे में कुछ बताता है।

वह पूरी तरह से आश्चर्य है कि इस्राएल का परमेश्वर वह सब करेगा जो इस्राएल को फरीसियों से बचाने के लिए किया जाना चाहिए। वह इस बात से पूरी तरह आश्चर्य है, और वह इस बात से भी पूरी तरह से परेशान है कि गोलियत ने मूल रूप से उस परमेश्वर का पूरी तरह से उपहास और तिरस्कार किया है। और इसलिए, उसके आत्मविश्वास के संदर्भ में, और जैसा कि क्रिस्टन ने पहले कहा, उसका कठोर रवैया, मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है जो हमने उससे सीखी हैं।

अब, डेविड और गोलियत की घटना के बारे में बहुत कुछ कहा जाना बाकी है, लेकिन हम आगे बढ़ चुके हैं। वह एक लोकप्रिय योद्धा है। वास्तव में, वह इतना लोकप्रिय योद्धा है कि यह बात शाऊल को बहुत गुस्सा दिलाती है।

यह पंक्ति कई बार सुनाई देती है। महिलाएँ गा रही हैं, नाच रही हैं और इसी तरह की अन्य बातें कर रही हैं, और वे कहती हैं, शाऊल ने अपने हज़ारों लोगों को मार डाला है, दाऊद ने अपने दसियों हज़ार लोगों को, जिससे, ज़ाहिर है, शाऊल बहुत खुश नहीं होता। लेकिन वह लोकप्रिय है।

दाऊद लोकप्रिय है। इसके परिणामस्वरूप, वह शाऊल का दामाद बन जाता है क्योंकि शाऊल की बेटी मीकल उससे प्यार करने लगती है। वास्तव में, यह शास्त्र में एक जगह है जहाँ हम एक महिला को वास्तव में प्यार करते हुए पाते हैं, और शास्त्र कहता है, पुरुष।

और डेविड उसे पाने के लिए एक बहुत ही दिलचस्प कीमत चुकाता है। जैसा कि आप जानते हैं, शाऊल अभी भी डेविड को खत्म करना चाहता है, और इसलिए वह कहता है, ठीक है, मैं चाहता हूँ कि तुम अपने हाथ में 100 फ़िलिस्तीन की खलड़ियाँ लेकर आओ, और डेविड 200 लेकर

आता है, और इसके लिए, उसे अपनी दुल्हन मिल जाती है। वैसे, आप जानते हैं, यह एक खूनी समय है।

क्या आपने गौर किया, जब आप पाठ पढ़ रहे थे, तो दाऊद ने गोलियत को मारने के बाद क्या किया? वह शाऊल के सामने सिर पकड़कर आता है। यह वैसा ही था जैसा कि हुआ। और इस मामले में, वह 200 पलिशियों की खलड़ियाँ लेकर शाऊल के सामने आता है।

यह बिल्कुल वैसी चीज़ नहीं है जिसे हम स्वादिष्ट समझते हैं। आप जानते हैं, यह बहुत भयानक चीज़ है। वह भी, अगर मैं इस चीज़ को आगे बढ़ा सकूँ, हाँ, जोनाथन की दोस्ती का प्राप्तकर्ता है।

जोनाथन उससे उम्र में बड़ा है। अगर आप इसका कालक्रम देखें, तो हमें कम से कम आधी पीढ़ी, शायद उनके बीच एक पूरी पीढ़ी का अंतर मिलता है। और फिर भी, जोनाथन, जो इस मामले में पूरी तरह से आत्म-बलिदान कर रहा है, जोनाथन, दाऊद के साथ अपनी वाचा बनाने में, दाऊद की पुष्टि करने में, दाऊद की रक्षा करने में, मूल रूप से राजा बनने के अपने अवसरों को बर्बाद कर रहा है।

ठीक है, यह जोनाथन के राजा बनने की कीमत पर है कि जोनाथन अपनी दोस्ती, दाऊद के साथ अपनी वाचा की दोस्ती स्थापित करेगा। हमने रूथ और नाओमी में हेसेड को सक्रिय होते देखा है, बोअज़ और रूथ और रूथ और नाओमी के साथ क्षैतिज स्तर पर हेसेड को देखा है। यहाँ हम इसे दाऊद और जोनाथन के बीच देखते हैं।

यह एक अद्भुत दोस्ती है जो पीढ़ियों तक चलेगी क्योंकि बाद में डेविड जोनाथन के बेटे की रक्षा करेगा। खैर, हमें इस डेविड और गोलियत घटना के भूगोल के बारे में खुद को थोड़ा सा एहसास दिलाने के लिए आगे बढ़ते रहना चाहिए। और यहाँ, हमें थोड़ा पीछे जाना होगा और खुद को पलिशती शहरों की याद दिलानी होगी।

क्या आपको वे याद हैं, जिनके बारे में मैंने कहा था कि आप आने वाली परीक्षा के लिए वाकई जानना चाहते हैं? वे यहाँ समुद्र तट पर हैं। दो भीतरी भाग गत और एक्रोन हैं, इसलिए पलिशती यहाँ के हैं।

लेकिन न्यायियों में हमारा पाठ, हाँ, 1 शमूएल 17 में हमें क्या बताया गया है? यह हमें बताता है कि वे सोकोह और अजेका के बीच में डेरा डाले हुए थे। यहाँ यह जेकेया है। वे ठीक इसी क्षेत्र में हैं।

और एक पल के लिए भी यह मत सोचिए कि वे पहाड़ी इलाके में जाने के इरादे से नहीं हैं। यहाँ बेथलेहम है। और इसलिए आप देख सकते हैं कि डेविड के पिता डेविड को वहाँ भेजने और यह देखने के बारे में थोड़ा चिंतित क्यों हैं कि क्या हो रहा है।

क्योंकि अगर इस्राएलियों के लिए हालात खराब होने वाले हैं, तो वे इस घाटी तक मार्च करेंगे, और वे उस पहाड़ी इलाके पर कब्ज़ा कर लेंगे, और जीवन बहुत कठिन हो जाएगा। इसलिए यह इतना महत्वपूर्ण समय है। अब, आइए इसे ज़मीन पर देखें।

यहाँ हम एज़ेकिय्याह पर खड़े हैं, ठीक है? एज़ेकिय्याह पर खड़े होकर एला घाटी को देख रहे हैं, जो ठीक इसी तरह बहती है। यह जूडियन पहाड़ी क्षेत्र है। ठीक वहाँ बेथलहम होगा।

और सोकोह वह जगह है जहाँ हमारे पास पलिशियों का डेरा है। इसमें लिखा है कि सोकोह और इज़ेकियाह के बीच में डेरा डाला गया था। तो यहाँ तक कि यहाँ तक।

बस फ़िलिस्तीन की सेनाओं की कल्पना करें। बस इसके बारे में सोचें क्योंकि इसमें कहा गया है कि इसराइली सेनाएँ यहाँ घाटी के दूसरी तरफ़ हैं। और डेविड जा रहा है, यह उन कहानियों में से एक है जहाँ आप यह पता लगा सकते हैं कि यह कहाँ हुआ, है न? कुछ अन्य, आप थोड़ा अनुमान लगा रहे हैं।

यह वाकई बहुत स्पष्ट है। तो, हम अपने डेविड और गोलियथ टकराव की कल्पना कहीं न कहीं कर सकते हैं। बहुत ही रोचक तरह की चीज़ें।

लेकिन सोचिए कि यह पूरा इलाका कितना सुरक्षित है, शेफेला का हमारा बफर जोन यहीं है। तटीय मैदान पर पलिशियों की महानगरीय सेनाओं और पहाड़ी इलाके में हमारी छोटी-छोटी बस्तियों के बीच इसे कितनी सुरक्षा मिलनी चाहिए थी, इसके बारे में सोचिए। ठीक है, बुरे समय को साथ लेकर चलते हैं।

फिर से नक्शा उठाते हुए। नोब में क्या होता है? मैं खुद को बोलते हुए सुनकर थक गया हूँ। आगे बढ़ो, रेबेका।

ठीक है, आपको क्या मिला। और वास्तव में, शाऊल के पुजारियों पर गुस्सा होने से पहले ही, आपने डेविड को भागते हुए देखा, है न? और वह वहाँ जाता है, और अहीमेलोक पुजारी है। और डेविड कहता है, मदद करो, हम राजा के एक मिशन पर हैं।

झूठ। ठीक है, वह झूठ बोल रहा है। और इसलिए, उसे उपस्थिति की रोटी मिलती है जैसा कि सारा ने पहले सुझाया था।

उसके पास यह समर्पित रोटी है और वह इसे ले लेता है। उसे गोलियथ की तलवार भी मिल जाती है, और वे भाग जाते हैं। और वहाँ कौन है जो यह सब होते हुए देखता है? एक बहुत ही दिलचस्प, बुरा किरदार, सारा।

आह, उस समय नहीं। अब्रेर बाद में दिखाई देगा। यह तो इस्राएली भी नहीं है।

क्या किसी को कोई याद है, एदोमीट? यह आपका सामान्य नाम है। यह एक ऐसा नाम है जिसे आप हर समय देखते हैं। डोएग।

क्या आपके सभी दोस्तों का नाम डोएग नहीं है? डोएग, है न। डोएग एदोमी एक मुखबिर है। वह डेविड को देखता है, वह यह सब होते हुए देखता है।

और फिर, रेबेका की बात को आगे बढ़ाते हुए, वह जाकर शाऊल को बताता है, शाऊल पूरी तरह से नाराज़ हो जाता है और मूल रूप से नोब के सभी पुजारियों को मौत की सज़ा देने का आदेश देता है। उनमें से एक भाग जाता है। और उनमें से एक बहुत ही महत्वपूर्ण चीज़ लेकर भाग जाता है।

यह क्या है? कोई जानता है? यह भविष्य में डेविड के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने जा रहा है। और यह कुछ ऐसा होने जा रहा है जो साउल के पास नहीं है। चेस्सी।

हाँ, यह एपोद है। और एपोद में क्या है? वक्ष भाग में उरीम और तुम्मीम है, है न? और इसलिए, बाद में, जब आप पाठ पढ़ना शुरू करते हैं, तो आप देखते हैं कि दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मुझे ऐसा-ऐसा करना चाहिए? और प्रभु की ओर से उत्तर मिलता है। और फिर, फिर से, और दाऊद ने प्रभु से पूछा, क्या मुझे कैला तक जाना चाहिए? हाँ।

ऐसा इसलिए है क्योंकि, सबसे अधिक संभावना है कि, अबियाथार, जो बच गया है, अपने साथ एपोद लाया है, जिसमें वास्तव में, प्रभु से पूछताछ करने का साधन है। तो, यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण बात होने जा रही है। अब, इसमें जो दूसरी बात होती है, जब अबियाथार उसके पास आता है, तो दाऊद कहता है, ओह, नहीं।

मुझे पता है कि मैं उन लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार हूँ। क्योंकि मैंने उसे वहाँ देखा था, और मुझे यह समझ लेना चाहिए था कि ऐसा होगा। इसलिए, डेविड पहले से ही इसका बोझ महसूस कर रहा है और साथ ही, इसके लिए अपराध बोध भी महसूस कर रहा है।

दाऊद थोड़े समय के लिए पलिशियों के पास जाता है। यह इस समय एक तरह की अस्थायी बात है। राजा आकीश है, और आकीश गत का राजा है।

फिर से, गत शहर को याद रखें। यह पलिशियों के सबसे अंदरूनी शहरों में से एक है। इस समय, आकीश कहेगा, ओह, यह आदमी वाकई पागल है।

हम उसे अपने आस-पास नहीं चाहते। इसलिए, दाऊद को और आगे भागना होगा। वह इस समय पलिशियों के साथ नहीं रह सकता।

वह बाद में उनके पास वापस आने वाला है। वह असंतुष्टों का एक समूह चुनता है। मेरे पास उद्धरण चिह्नों में एक सेना है।

ये वे लोग हैं जो असंतुष्ट हैं। और आप पंक्तियों के बीच में पढ़ सकते हैं। वे शायद शाऊल की चीज़ों को बिखरते हुए देख रहे हैं।

वे जानते हैं कि डेविड एक लोकप्रिय योद्धा था और एक अच्छा योद्धा था। और इसलिए, ये लोग अपनी निष्ठा बदल रहे हैं, और वे खुद को डेविड की सेना में शामिल करना जारी रखेंगे। मैंने जंगल के इलाके के चारों ओर एक छोटा सा घेरा बना रखा है, जहाँ वे बहुत समय बिताते हैं, यहीं पर।

अगर आप देखें, तो यह देखना थोड़ा मुश्किल है। यहाँ से मेरे लिए देखना मुश्किल है, इसलिए पीछे शायद कोई उम्मीद नहीं है। यहाँ माओन है, यहाँ कार्मेल है, यहाँ जिपफ है।

तीन शहर जो इस अध्याय में इस खंड में दिखाई देते हैं, जिनके बारे में हम पढ़ रहे हैं, और विशेष रूप से माओन और कार्मेल, अबीगैल के साथ पूरी कथा में दिखाई देते हैं। ठीक है, क्योंकि हमारे पास उस कहानी में नाबाल या नेवल नाम का एक आदमी है, जिसका क्या मतलब है? सबसे खराब किस्म का मूर्ख। जब हम नीतिवचन की पुस्तक में आते हैं, तो हम मूर्खों और मूर्खों के लिए अलग-अलग हिब्रू शब्दों के बारे में बात करने जा रहे हैं।

यह सबसे बुरा है। यह सबसे नास्तिक, अनैतिक, कठोर दिल वाला है। और यही उसका नाम है।

उसकी पत्नी के साथ दिलचस्प विरोधाभास, जो डेविड को खुश करने के लिए बाहर आती है। और मैं उन बातों को पढ़ना चाहता हूँ जो वह डेविड से कहती है जब वह उन सभी चीज़ों के साथ बाहर आती है जिन्हें उसके पति ने डेविड को देने से मना कर दिया था। और वैसे, डेविड ने उनके लिए एक एहसान किया था।

दाऊद और उसकी सेना नाबाल के चरवाहों की रक्षा कर रही थी। इसलिए, दाऊद वहाँ जाकर सिर्फ यह नहीं कह रहा था कि, कृपया मुझे कुछ सामान दे दो, नहीं तो। वह कह रहा था, कृपया मुझे वह दे दो जो तुम मेरी सुरक्षा के लिए देना चाहते हो।

लेकिन जब अबीगैल बाहर आती है, तो उसके पास कहने के लिए कुछ दिलचस्प बातें होती हैं। मैं श्लोक 28 से शुरू कर रहा हूँ। यहोवा मेरे स्वामी के लिए एक स्थायी राजवंश अवश्य बनाएगा, दाऊद से बात करते हुए, क्योंकि वह यहोवा की लड़ाई लड़ता है।

जब तक तुम जीवित हो, तुममें कोई गलत काम न पाया जाए। दूसरे शब्दों में, वह उससे कह रही है, अपने हाथों पर खून न लगने दो, और इस संदर्भ में निर्दोषों का खून तुम्हारे हाथों पर न लगे क्योंकि परमेश्वर तुम्हारे लिए राजवंश बनाने जा रहा है।

वह भविष्यवाणी कर रही है। श्लोक 29, भले ही कोई तुम्हारा पीछा करके तुम्हारा प्राण लेने आए, मेरे स्वामी, अर्थात् दाऊद का प्राण, तुम्हारे परमेश्वर यहोवा द्वारा जीवितों की गठरी में सुरक्षित रूप से बाँधा जाएगा। श्लोक 31, मेरे स्वामी के विवेक पर अनावश्यक रक्तपात या स्वयं बदला लेने का भारी बोझ न आने दें।

शुरू से ही, अबीगैल को एक खूबसूरत और बहुत बुद्धिमान महिला के रूप में वर्णित किया गया है। और वह यहाँ डेविड के साथ जिस तरह से पेश आती है, उससे यह पता चलता है। तो, यहाँ डेविड के लिए कुछ दिलचस्प पल हो रहे हैं क्योंकि वह शाऊल से भाग रहा है।

कुछ बातें देखने लायक हैं। अगर आप बाईं ओर की तस्वीर को देखें, तो आप पाएंगे कि हमें इस कहानी को समझने में क्या मदद मिल सकती है। यह कई घाटियों में से एक है, खड़ी, खड़ी, वी-आकार की घाटियाँ, वी-आकार की घाटियों से भी ज़्यादा, जो इस जंगली इलाके में काटी गई हैं।

वहाँ बहुत ज़्यादा बारिश नहीं होती, लेकिन जब पहाड़ी इलाकों में बारिश होती है, तो लाखों सालों में, पानी इन घाटियों को काटता हुआ आता है। आप इस तरफ़ रास्ते पर चल सकते हैं और उस तरफ़ किसी से बात कर सकते हैं, लेकिन फिर भी आप उन तक नहीं पहुँच सकते। अब, मैं अध्याय 26 से कुछ पढ़कर सुनाता हूँ।

हाँ, यह एक और मामला है जहाँ दाऊद शाऊल की जान बख़्श रहा है। वह शिविर में चला गया है। शाऊल सो रहा है, और अब्रेर सो रहा है।

वे शाऊल का हेलमेट लेते हैं, और वे उसका भाला, पानी की बोतल, माफ़ कीजिए, और भाला लेते हैं, और चले जाते हैं। और फिर श्लोक 13 में कहा गया है, दाऊद दूसरी तरफ़ चला गया। उनके बीच काफ़ी दूरी थी।

उसने सेना और नेर के बेटे अब्रेर को आवाज़ लगाई, क्या तुम मुझे जवाब नहीं दोगे? और फिर उनके बीच यह बातचीत हुई। और अब्रेर और शाऊल दाऊद तक नहीं पहुँच पाए क्योंकि वहाँ स्पष्ट रूप से बहुत ज़्यादा जगह है। नीचे जाने और फिर से ऊपर चढ़ने में कुछ घंटे लगेंगे।

और फिर भी, दाऊद कुछ मायनों में, शाऊल और अब्रेर को ताना मार सकता है। तो इससे हमें थोड़ा सा अहसास होता है कि शायद यह कथा अपने स्थलाकृतिक संदर्भ में कैसे सामने आ सकती है। यहाँ हमारे पास बस जंगल की एक तस्वीर है।

मुझे लगता है कि मैंने इसे पहले भी आपको दिखाया है। लेकिन यह उस तरह का क्षेत्र है, जहाँ से डेविड भाग रहा होगा। यह बंजर है।

कुछ जगहें ऐसी हैं जहाँ पानी के स्रोत और झरने हैं, लेकिन कुल मिलाकर, यह बंजर है। डेविड एक गढ़ से दूसरे गढ़ तक जाएगा। आपने शायद यह देखा होगा जब आप पाठ के माध्यम से अपना काम कर रहे थे।

लेकिन ज़्यादातर समय, यह बहुत निराशाजनक होता है। ओह, उस पर बहुत जल्दी चले गए। आगे बढ़ते हुए, जैसा कि आप अध्याय 27 को देखते हैं, शाऊल कर रहा है, शाऊल नहीं, आकीश, माफ़ कीजिए।

आकीश कुछ बहुत ही दिलचस्प काम कर रहा है। डेविड आखिरकार उसके पास वापस जाता है। याद है मैंने कहा था कि वह पहले भी वहाँ गया था।

वह ज़्यादा समय तक नहीं रुकता। इससे थोड़ा असहज महसूस करता है। लेकिन अब शाऊल से काफ़ी समय तक भागते रहने के बाद, अध्याय 27 की पहली आयत, दाऊद ने अपने आप से सोचा, इन दिनों में से एक दिन, मैं शाऊल के हाथों से नष्ट हो जाऊँगा।

सबसे अच्छी बात जो मैं कर सकता हूँ वह है पलिशियों के पास जाना। तो, वह जाता है। लेकिन यहाँ दिलचस्प बात यह है।

पलिशती यहाँ हैं। मैं फिर से शहरों के बारे में बात करूँगा। क्या आपको लगता है कि इन पलिशती शहरों के बारे में जानना ज़रूरी है? अच्छा, यह शानदार है।

यहाँ गाजा, अस्कलोन, अशदोद, गत, एक्रोन हैं। तो, वे वहाँ हैं। और यह एक तरह से केंद्रबिंदु है।

पाँच फ़िलिस्तीन शहर। माना कि वे पूर्व की ओर बढ़ रहे हैं, और उत्तर की ओर भी बढ़ रहे हैं। लेकिन वे शहर हैं।

आकीश ने डेविड को ज़िकलाग नामक स्थान पर रखा है, जो यहीं है। और आप सोच रहे होंगे कि यह एक उबाऊ जगह है, लेकिन शायद ऐसा नहीं है। जब तक हम इस क्षेत्र में और अधिक व्यापक रूप से अध्ययन करना शुरू नहीं करते, तब तक हमें यह नहीं पता कि यह नेगेव के माध्यम से है, और आप देख सकते हैं कि पश्चिमी नेगेव मेरे सफेद दीर्घवृत्त द्वारा आधा नष्ट हो गया है।

लेकिन पश्चिमी नेगेव के ज़रिए ही सदियों से मसालों का बहुत अच्छा व्यापार होता रहा है। मसाले सऊदी अरब से, दूर पूर्वी इलाकों से आते हैं। और उन्हें भूमध्य सागर तक पहुँचाने का एक तरीका यह है कि आप उन्हें नेगेव के रास्ते ऊँटों पर लादकर लाएँ।

ऊँट रेगिस्तान का जहाज़ है, ठीक है? और इसलिए, वहाँ से एक बहुत ही महत्वपूर्ण व्यापार मार्ग गुज़रता है, और शायद आकीश जो कर रहा है वह डेविड को इस बात की निगरानी करने के लिए नियुक्त करना है कि सामान यहाँ से कैसे आ रहा है, ठीक है? तो, अगर आप चाहें तो वह डेविड को शेरिफ़ के तौर पर नियुक्त कर रहा है। अब, डेविड क्या करता है? अगर आप इस बारे में खुलकर बात करना चाहते हैं तो यह एक योजना है, या एक चाल है, या एक सरासर झूठ है। डेविड इस पद पर क्या करता है? यह वास्तव में राजनीतिक रूप से चतुराईपूर्ण है।

यह सच नहीं है। चलिए इसे घटित होते देखते हैं। अध्याय 27.

छंद छह में, आकीश उसे ज़िग लैग देता है। छंद आठ में, दाऊद और उसके आदमी ऊपर गए और गेशेरियों, गेरज़ियों और अमालेकियों पर हमला किया। और आप सोच रहे हैं, ओह हाँ, तो? लेकिन वह जो कर रहा है, मूल रूप से, यहाँ नीचे अर्ध-खानाबदोश और खानाबदोश लोगों पर हमला कर रहा है।

अमालेकियों का सफाया नहीं हुआ है, ठीक है? और इसलिए, वे अभी भी यहाँ हैं, खासकर उत्तरी सिनाई, पश्चिमी नेगेव क्षेत्र में। और इसलिए, डेविड कुछ ऐसा कर रहा है जिससे लोगों को पीछे धकेला जा सके जो दक्षिणी यहूदा के लिए जीवन को दयनीय बना देगा। आइए पढ़ते रहें।

श्लोक नौ, जब भी दाऊद ने किसी क्षेत्र पर हमला किया, तो उसने एक भी पुरुष या स्त्री को जीवित नहीं छोड़ा, भेड़ और गाय, गधे और ऊँट और गायें ले लीं, और फिर वह आकीश के पास लौट आया। और वह क्या कहता है? बात यह है। आकीश कहता है, आज तुम कहाँ छापा मारने

गए थे? और दाऊद कहता, ओह, ठीक है, मैं छापा मारने गया था, अगला श्लोक क्या कहता है, यहूदा के नेगेव के खिलाफ, उराखमीएल के नेगेव के खिलाफ, या केनियों के नेगेव के खिलाफ।

वह आकीश से कह रहा है कि वह यहूदा के लोगों, यहूदी लोगों पर हमला कर रहा है। मुझे क्यों नहीं करना चाहिए? यहाँ यहूदी शब्द का इस्तेमाल करना सही नहीं है। इस्राएलियों पर।

ठीक है, यही बात उसने आकीश से कही। उसने कहा कि मैं अपने ही लोगों, यहूदा के नेगेव पर हमला कर रहा हूँ। यह वह चीज़ है जो इस्राएलियों की है, यहूदा के गोत्र का दक्षिणी भाग।

तो, वह आकीश से कहता है, अरे, मैं तुम्हारे पक्ष में हूँ। चिंता मत करो, और मैं वहाँ उन इस्राएलियों का ख्याल रख रहा हूँ। और फिर भी, वास्तव में, वह जो कर रहा है वह अर्ध-खानाबदोशों के खिलाफ उन इस्राएली सीमाओं की रक्षा करना है।

अब, यह क्यों महत्वपूर्ण है? खैर, वह आकीश के साथ अच्छे संबंध बना रहा है, ताकि आकीश उस पर भरोसा करे और अब उसे संदेह न हो। और वह भविष्य के लिए अपने लिए राजनीतिक पूंजी भी जमा कर रहा है। क्योंकि वह कौन सी जनजाति होगी जो दाऊद को राजा नियुक्त करेगी? यहूदा।

वह पहले यहूदा का राजा है। और ऐसा इसलिए है क्योंकि उन्हें राजनीतिक ऋण चुकाना है। वह उनके प्रति अच्छा रहा है।

ठीक है। खैर, किसी भी तरह से, हमें इस अमालेकी मामले के बीच में एक और कहानी से निपटना है, लेकिन मुझे कम से कम इस समय इसका उल्लेख करने दें। जब दाऊद शुरू में इस्राएलियों के खिलाफ पलिशियों के साथ युद्ध करने के लिए निकलता है, जिसे हम एक सेकंड में देखेंगे, तो वह अपने परिवार को सिकलग में छोड़ देता है, और अमालेकी आते हैं और हमला करते हैं।

जाहिर है, मेरा मतलब है, क्योंकि उन पर डेविड ने हमला किया है। अब उन्हें अपना मौका दिख रहा है। अध्याय 30 में, डेविड उन पर पलटवार करता है।

और यही इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। वह अमालेकियों से भिड़ेगा, अमालेकियों द्वारा भागे गए सभी सामान को वापस लाएगा। हमारा उद्देश्य यहाँ अगले 10 मिनट एक बहुत ही रोचक कहानी में बिताना है।

लेकिन हमारी बहुत ही रोचक कहानी को समझने के लिए, हमें यह देखना होगा कि क्या हो रहा है। आइए सबसे पहले दाईं ओर दिए गए नक्शे को देखें। हो सकता है कि अगली परीक्षा में भी कोई नक्शा हो।

हो सकता है। यहाँ आपको फिलिस्तीन के शहर मिले हैं। क्या आप उन्हें पहले ही नीचे गिरा चुके हैं? ठीक है, यह उनका क्षेत्र है।

जब हमने इस पूरी बात को शुरू किया, तो मैंने जो बातें कहीं, उनमें से एक यह थी कि फिलिस्तीनियों के पास अपने क्षेत्र से आगे जाकर इजरायल में गहरी पैठ बनाने का एक तरीका है। और जब लड़ाई उत्तर की ओर बढ़ती है, तो यह इस तरह काम करता है। वे यहाँ से ऊपर की ओर बढ़ते हैं।

वे माउंट कार्मेल से होकर गुज़रते हैं। वे चार उत्तरी जनजातियों को काटकर जीवन को बहुत दयनीय बनाने जा रहे हैं। मुझे लगता है कि मैंने पिछली बार यही कहा था।

चार उत्तरी जनजातियाँ दक्षिणी जनजातियों से अलग हैं। तो, यहाँ तक पूरे रास्ते में एक फिलिस्तीनी उपस्थिति है। अब, नक्शे पर, यह माउंट मोरेह है।

आप इसे बाईं ओर की तस्वीर में देख सकते हैं। यह माउंट गिल्बोआ है। आप इसे वहाँ भी देख सकते हैं।

बीच में, वह पूरा घाटी क्षेत्र। जैसा कि आप शाऊल की मृत्यु तक की घटनाओं की कहानी पढ़ते हैं, एक बात जो हम जानते हैं वह यह है कि माउंट मोरेह के पूर्वी किनारे पर, दूसरे शब्दों में, यहीं या वहीं, एंडोर नामक एक छोटी सी जगह है। क्या यह नाम आपको आज पढ़ी गई कहानियों से मिलता जुलता लगता है? एंडोर में क्या हुआ था? आगे बताइए, सुज़ाना।

वहाँ एक चुड़ैल है। अच्छा, और उसके बारे में क्या? ठीक है, और हम उसके जादू के निहितार्थों के बारे में बात करने जा रहे हैं, जैसा कि आपने कहा, थोड़ी देर में। लेकिन ध्यान दें कि यहाँ क्या हो रहा है।

आप बिलकुल सही कह रहे हैं। शाऊल भेष बदलकर गया है। और वह भेष बदलकर क्यों गया है? क्योंकि उसे प्रभु से कोई संदेश नहीं मिला है।

परमेश्वर की ओर से कोई वचन नहीं है, और वह हताश है। क्योंकि यहाँ इस्राएली गिलबोआ पर्वत पर डेरा डाले हुए हैं, जैसा कि पाठ हमें बताता है। इस्राएल और वहाँ डेरा डाले हुए हैं।

यहाँ और मोरेह पर्वत पर पलिशती लोग हैं। शाऊल प्रभु से एक संदेश पाने के लिए इतना बेताब है कि वह इसे पाने के लिए दुश्मन की सीमा के पीछे चला जाता है। यह पलिशतियों के उस पूरे समूह के साथ एक वास्तविक जोखिम उठाना है जो टिड्डियों के बादल की तरह है।

और वह एंडोर में इस चुड़ैल तक पहुँचने के लिए दुश्मन की रेखाओं के पीछे छिप जाता है। और, ज़ाहिर है, जैसा कि वह कहती है, और जैसा कि सुज़ाना ने कहा, यहाँ क्या हो रहा है? आपने कथित तौर पर चुड़ैलों को निष्कासित कर दिया है। और उसे उसे शांत करना है और कहना है, चिंता मत करो।

कृपया वही करें जो मैंने आपको करने के लिए कहा है। लेकिन नक्शा ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें इस बात का थोड़ा सा अंदाजा देता है कि इस समय शाऊल कितना जोखिम उठा

रहा है और फिर हमें यह भी बताता है कि यह आदमी कितना हताश है क्योंकि वह अपने जीवन के अंत तक पहुँच रहा है। खैर, देखते हैं कि यह कैसे काम करता है।

अध्याय 28 वह है जिसे हम वास्तव में देखना चाहते हैं। जब वह वहाँ पहुंचेगा, तो मैं पढ़ना शुरू करूँगा क्योंकि यह बहुत ही रोचक है। आठवीं आयत में, शाऊल दूसरे कपड़े पहनकर अपना भेष बदल लेता है।

वह उस महिला के पास जाता है और कहता है, मेरे लिए किसी आत्मा से सलाह लो। मैं जिसका नाम लूँ, उसे लाओ। और वह कहती है कि मैं ऐसा नहीं कर सकती।

शाऊल ने उससे कसम खाई कि प्रभु के जीवन की शपथ, उसे दण्डित नहीं किया जाएगा। औरत ने कहा, मैं किसको बुलाऊँ? और उसने कहा, शमूएल। और फिर क्या हुआ? इस पर उसकी प्रतिक्रिया से आपको यह आभास होता है कि शुरू से ही, उसका जादू-टोना शायद एक दिखावा था।

शायद वह अब तक सबको ठग रही है क्योंकि जब शमूएल वास्तव में प्रकट होता है, तो वह पूरी तरह से भयभीत हो जाती है। श्लोक 12 पर ध्यान दें, जब महिला ने शमूएल को देखा, तो वह अपनी पूरी आवाज़ में चिल्लाई। और वैसे, जब लोग अपनी पूरी आवाज़ में चिल्लाते हैं, तो यह वास्तव में एक तीखी चीख होती है, है न? तुमने मुझे धोखा क्यों दिया? तुम शाऊल हो।

और फिर राजा ने उससे पूछा, तुम क्या देखती हो? अब, मुझे यकीन नहीं है कि तुम्हारा NIV आगे क्या कहता है, लेकिन महिला कहती है, मैं एलोहिम को देखती हूँ। मैं एलोहिम को ज़मीन से ऊपर आते हुए देखती हूँ। वह क्या है? मुझे पता है कि NIV में लिखा है कि मैं एक आत्मा को देखती हूँ, लेकिन हिब्रू शब्द एलोहिम है।

क्या आप जानते हैं इसका क्या मतलब है? भगवान, भगवान। अब, शायद उसका मतलब यह नहीं है कि मैंने भगवान को एक एलोहिम के रूप में देखा जिसने स्वर्ग और पृथ्वी का निर्माण किया है, उत्पत्ति अध्याय एक, लेकिन उस शब्द का बहुवचन अर्थ में भी अनुवाद किया जा सकता है, यहाँ कुछ बहुत ही अजीब अभिव्यक्ति है जिसे वह शायद अपने मन में किसी तरह से अलौकिक देवता के रूप में पहचान रही है, शायद। किसी भी दर पर, मैं आत्मा अनुवाद के लिए इतना उत्सुक नहीं हूँ।

यह इसे कमज़ोर कर रहा है। मैं एलोहिम को ऊपर आते हुए देखता हूँ। वह इसका वर्णन करती है, और शाऊल जानता है कि यह शमूएल है।

और अब, यहाँ दिलचस्प बात है। ओह, हम अभी उस पर बात नहीं करना चाहते थे। बस, मैं इसका समर्थन करूँगा।

शमूएल के पास एक संदेश है, और यह बहुत ही भयानक संदेश है। श्लोक 16, अब जब यहोवा तुमसे दूर हो गया है और तुम्हारा शत्रु बन गया है, तो तुम मुझसे क्यों सलाह लेते हो? सुनने में भयानक बात है। यहोवा तुम्हारा शत्रु बन गया है, शमूएल शाऊल से कहता है।

उसने मेरे द्वारा जो भविष्यवाणी की थी, उसे पूरा किया है। उसने तुम्हारे हाथों से राज्य छीनकर दाऊद को दे दिया है। क्योंकि तुमने यहोवा की आज्ञा नहीं मानी और न ही अमालेकियों के विरुद्ध उसके क्रोध को पूरा किया, इसलिए यहोवा ने आज तुम्हारे साथ ऐसा किया है।

तो, हम फिर से वही बात दोहराते हैं जो हमने पिछली बार कही थी। आज्ञाकारिता, आज्ञाकारिता, आज्ञाकारिता ही परमेश्वर चाहता है। भले ही कभी-कभी आज्ञाकारिता बहुत कठिन हो, लेकिन आज्ञाकारिता ही परमेश्वर चाहता है।

यहोवा इस्राएल और तुम्हें दोनों को पलिशतियों के हाथों में सौंप देगा। कल तुम और तुम्हारे बेटे मेरे साथ होंगे। और हाँ, शमूएल दूसरी तरफ है।

खैर, युद्ध वास्तव में होता है। शाऊल बुरी तरह घायल हो जाता है। वह अपने हथियार वाहक से अपनी जान लेने के लिए कहता है।

वह ऐसा नहीं करेगा। इसलिए, शाऊल खुद अपनी तलवार से मारा जाएगा। सातवीं आयत में, जब घाटी के उस पार के इस्राएलियों और यरदन के उस पार के सभी लोगों ने देखा कि इस्राएली सेना भाग गई है और शाऊल और उसके बेटे मर गए हैं, तो उन्होंने अपने शहर छोड़ दिए और भाग गए।

पलिशतियों ने आकर उन पर कब्ज़ा कर लिया। क्या आप देख रहे हैं कि यहाँ क्या हुआ है? पलिशतियों ने इस समय जो कुछ भी इसराइल था, उसे पूरी तरह से तबाह कर दिया है। क्योंकि इसराइली भाग गए हैं और पलिशतियों ने उनके अपने शहरों पर कब्ज़ा कर लिया है।

यह पूरी तरह से विनाश है और शाऊल भी इसके साथ ही मर गया है। जब दाऊद को राज्य विरासत में मिलेगा, तो उसे बहुत सारी गड़बड़ियों का सामना करना पड़ेगा। हम इसे शुक्रवार को देखेंगे।

लेकिन चलिए पढ़ते हैं। आठवीं आयत, अगले दिन जब पलिशती मृतकों को लूटने आए, तो उन्होंने शाऊल और उसके तीन बेटों को गिलबोआ पर्वत पर गिरे हुए पाया। और ध्यान दें कि उन्होंने शवों के साथ क्या किया।

यह एक बदसूरत बात है। उन्होंने उसका सिर काट दिया, उसकी सेना को लूट लिया, और पलिशतियों के देश में खुशखबरी सुनाने के लिए दूत भेजे। राजाओं की मौत पर खुशी मनाई जा रही है।

अष्टोराह के मंदिर में रख दिया गया और उसके शरीर को बेत शान की दीवार से बांध दिया गया। तो, कुछ बहुत ही भयानक चीजें। अब, यहाँ दिलचस्प बात है।

1 शमूएल के अंतिम अध्याय की आयत 11. जब गिलाद के याबेश के लोगों ने सुना कि पलिशितियों ने शाऊल के साथ क्या किया है, तो वे सारी रात यात्रा करके बैत शान पहुँचे। उन्होंने शाऊल और उसके बेटों की लाशें उतारीं और याबेश पहुँचे, जहाँ उन्होंने उन्हें जला दिया।

याबेश-गिलाद के लोग शाऊल और जोनाथन तथा भाइयों के शवों को बचाने और उनका सम्मान करने के लिए इतने इच्छुक क्यों हैं? याबेश-गिलाद क्यों? सारा? खैर, मैं इसे इस तरह से पूछता हूँ। यह बिन्यामीन के गोत्र से कैसे संबंधित है? क्योंकि वास्तव में, यदि वे यरदन के पार जा रहे हैं, तो बिन्यामीन वहाँ नहीं होगा। यह गोत्र होगा; मुझे लगता है कि यह रूबेन या गाद होगा, लेकिन मुझे यकीन नहीं है कि वास्तव में कौन सा है।

लेकिन यह बेंजामिन के गोत्र से बहुत ही रोचक तरीके से जुड़ा हुआ है। केटी, न्यायियों की पुस्तक के अंत के बारे में सोचो। वहाँ एक रिश्ता है, है न? तो तुम्हें एक वास्तविक चिंता है।

वे पहचान रहे हैं कि शाऊल ने उनके लिए कुछ अच्छा किया है, और इसलिए, वे भी कुछ अच्छा करने जा रहे हैं। और शाऊल ने उनके लिए कुछ अच्छा किया था क्योंकि न्यायियों की पुस्तक के अंत में वापस जाते हुए, जैसा कि मैंने कहा, वहाँ से इनमें से कुछ महिलाओं को बेंजामिन के गोत्र को फिर से भरने के लिए ले जाया गया था। तो, आपके पास एक तरह का लंबा धागा कनेक्शन चल रहा है।

खैर, अमालेकी, दिलचस्प बात यह है कि 2 शमूएल अध्याय एक में, एक आदमी आता है, कहता है कि वह युद्ध में था। डेविड पूछता है, तुम कौन हो? वह कहता है कि मैं एक अमालेकी हूँ। और वह दावा करता है कि उसने शाऊल को मार डाला है।

अब, बेशक, वह शायद ऐसा इसलिए कर रहा है क्योंकि उसे लगता है कि डेविड उसे पुरस्कृत करने जा रहा है। और फिर भी डेविड, जैसा कि वह इस पूरी प्रक्रिया के दौरान लगातार करता रहा है, डेविड फिर से कहने जा रहा है, ठीक है, वह ऐसा नहीं कहने जा रहा है, लेकिन हम पंक्तियों के बीच पढ़ने जा रहे हैं, मैं किसी ऐसे व्यक्ति से कोई लेना-देना नहीं रखना चाहता जिसने शाऊल को मार डाला हो या शाऊल को चोट पहुंचाई हो या शाऊल और उसके बेटों को किसी भी तरह से नुकसान पहुंचाया हो। डेविड नहीं चाहता कि उस पर, जैसा कि मैंने पहले कहा, राजगद्दी हड़पने का आरोप लगे।

और इसलिए, वह अमालेकी से विशेष रूप से प्रसन्न नहीं है। कहता है, क्या तुम प्रभु के अभिषिक्त को नष्ट करने के लिए अपना हाथ उठाने से नहीं डरते थे? और फिर उसे मार गिराता है। और फिर अंत में, अध्याय का दूसरा भाग कविता के रूप में उसी बात की पुष्टि करता है जो मैं अभी कह रहा था।

दाऊद अपने शत्रुओं के पतन पर खुश नहीं है। वह ऐसा नहीं करता, उसके शत्रु, इस मामले में, शाऊल हैं। इसके बजाय, वह सबसे मार्मिक गीतों में से एक के साथ आता है।

हे इस्राएल, तेरी महिमा तेरे ऊंचे स्थानों पर मारी गई है। श्लोक 23, शाऊल और योनातन, जीवन में तो वे प्रिय और अनुग्रहकारी थे; मृत्यु में भी वे अलग नहीं हुए—वे उकाबों से भी अधिक तेज और सिंहीं से भी अधिक बलवान थे।

श्लोक 25, कैसे वीर युद्ध में मारे गए हैं। योनातन तुम्हारे शिखरों पर मारा गया है। हे योनातन, मेरे भाई, मैं तुम्हारे लिए शोक करता हूँ।

तुम मुझे बहुत प्रिय थे। मेरे लिए तुम्हारा प्यार अद्भुत था, महिलाओं के प्यार से भी ज़्यादा अद्भुत। कैसे शक्तिशाली गिर गए, कैसे युद्ध के हथियार नष्ट हो गए।

और इसलिए, दाऊद उस वाचा प्रेम की गहन गहराई की पुष्टि करता है जिसे उसने और जोनाथन ने साझा किया था। जोनाथन अब मर चुका है, और दाऊद को इसका गहरा दर्द महसूस होता है। यह हमें शाऊल के विचार के अंत तक ले आता है। जैसा कि मैंने कहा, इस समय राज्य खस्ताहाल है।

शाऊल का राज्य जो अच्छी तरह से शुरू हुआ था, अब लगभग बिखर चुका है। डेविड को इसे एक साथ रखना होगा, और हम शुक्रवार को देखेंगे कि यह कैसे काम करता है। आपका दिन शुभ हो।